26,058 करोड़ की पीएलआई को मंजूरी

वाहन-ड्रोन उद्योग के लिए प्रोत्साहन योजना

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वाहन, वाहन कलपुर्जा और ड्रोन उद्योग के लिए 26,058 करोड़ रुपये की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इससे देश की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यह भारत में उन्नत ऑटोमोटिव तकनीक की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विकास को प्रोत्साहित करेगी। ठाकुर ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि उद्योग को पांच साल में 26,058 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाहन और वाहन कलपुर्जा उद्योग के लिए पीएलआई योजना के तहत पांच वर्षों में 42,500 करोड़ रुपये से अधिक का नया निवेश होगा और 2.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बढ़ा हुआ उत्पादन हासिल होगा। साथ ही इससे 7.5 लाख से अधिक नौकरियों के नए मौके तैयार होंगे।

वाहन क्षेत्र के लिए यह योजना उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी वाहनों और उत्पादों को प्रोत्साहित करेगी। इससे अधिक कुशल और हरित वाहन विनिर्माण के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होगी।

ड्रोन उद्योग में 5000 करोड़ का निवेशः सरकार के अनुसार, ड्रोन के लिए पीएलआई योजना तीन वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का नया निवेश और 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का वृद्धिशील उत्पादन लाएगी।

उद्योग जगत ने सरकार के फैसले का स्वागत किया

राहत पैकेज के तहत ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन, ऑटोमेटिक ब्रेकिंग, इलेक्ट्रॉनिक स्टीयरिंग सिस्टम जैसे ऑटो कम्पोनेंट सेक्टर को भी प्रोत्साहन मिलेगा। ऑटो कंपनियों के संगठन सियाम और वाहन कलपुर्जा उद्योग के संगठन 'ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एक्मा) ने कहा कि पीएलआई योजना से वाहन उद्योग में मजबूती आएगी।